BSES

वन महोत्सव सप्ताह में बीएसईएस ने लगाए 2000 पेड़

कंपनी के प्रयासों से कार्बन डाइऑक्साइड गैस में आएगी, सालाना 52,000 हजार पॉन्ड की कमी

- 18 जुलाई को शुरू हुआ था वन महोत्सव, 24 को खत्म हुआ
- बन महोत्सव के दौरान नीम, जामुन, पीपल, चंपा, कनेर व बांस के पेड़ लगाए
- जुलाई 20002 से अब तक 10,000 पेड़ लगा चुकी है बीएसईएस

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 2007। ग्लोबल वार्मिंग दुनियाभर में चिंता का विषय बना हुआ है। और, जिम्मेदार कॉरपोरेट नागरिक की हैसियत से बीएसईएस पर्यावरण सुरक्षा में अहम योगदान दे रही है। बीएसईएस की उर्जा संरक्षण मुहिम *एक सीएफएल खरीदो, दूसरा मुफ्त पाओ* के तहत जहां वातावरण में, कार्बन डाइऑक्साइड गैस में 1॰44 लाख टन की कमी आएगी, वहीं इस अभियान से राजधानी में 25 मेगावॉट बिजली की बचत भी होगी।

बीएसईएस के *वन महोत्सव* का आज एक सादे लेकिन आकर्षक समारोह में समापन किया गया। यह महोत्सव 18 जुलाई को शुरू हुआ था। *वन महोत्सव* के समापन के मौके पर बीएसईएस के चेयरमैन श्री ललित जालान के अलावा, बीआरपीएल के सीईओ श्री अजय धगत और बीवाईपीएल के सीईओ श्री अरूण कंचन भी मौजूद थे।

इस मौके पर श्री जालान ने कहा कि पेड़ों को कार्बन कम करने वाला, और वातावरण में ऑक्सीजन का उत्सर्जन करने वाला माना जाता है। कुछ अध्ययनों के मुताबिक पेड़ हर साल 26 पॉन्ड कार्बन डाइऑक्साइड सोंख सकते हैं। खासकर वे पेड़, जिनका विकास अभी भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि *वन महोत्सव* के माध्यम से बीएसईएस ने पर्यावरण के लिए जागरूकता लाने और पर्यावरण सुरक्षा में अपना योगदान देने की कोशिश की है।

वन महोत्सव के दौरान कंपनी के सैकड़ों कर्मचारियों ने 2000 से अधिक पेड़ लगाए। इन पेड़ों में नीम, जामुन, पीपल, चंपा, कनेर और बांस के पेड़ शामिल हैं। 33 डिविजनों में लगाए गए इन पेड़ों से कार्बन डाइऑक्साइड सीओ2) में प्रति सालाना 52,000 पॉन्ड की कमी आएगी। यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले पांच सोलों के दौरान बीएसईएस ने 10,000 पेड़ लगाए हैं।

बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं से अपील करती है कि वे अधिक से अधिक पेड़ लगाएं, ताकि ग्रीन हाउस प्रभाव को कम किया जा सके। इससे जहां एक ओर कार्बन डाइऑक्साइड गैस की मात्रा में कमी आएगी, वहीं दूसरी ओर उर्जा संरक्षण में भी मदद मिलेगी।

अध्ययनों के अनुसार, पेड़ प्रकृतिक एयर कंडीशनर का काम कर सकता है। एक बड़ा पेड 10 रूम साइज एसी के बराबर ठंडक दे सकता है। पेड़ होने से आवासीय और व्यावसायिक भवनों में एसी के बिजली बिल में 15-50 प्रतिशात तक की कमी लाई जा सकती है। पेड़ लगाएंगे तो बड़े पैमाने पर बांध बनाने और बिजली उत्पादन इकाइयां लगाने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी।